बाउल गान
राजा हसन द्वारा

अभिव्यक्ति है और इसके गीत आध्यात्मिक से लेकर दैनिक सांसारिक जीवन के विषयों पर आधारित होने के बावजूद जटिल नहीं हैं। बाउल गायकों द्वारा दोतारा, खमक, डुग्गी एवं खड़ताल जैसे अनेक वाद्यों का उपयोग किया जाता है, लेकिन एकतारा इनका सर्वाधिक लोकप्रिय वाद्य है। वर्तमान समय में, बड़ी संख्या में बाउल गायक मंचों और विभिन्न स्थानों पर अपनी प्रस्तुतियाँ कर रहे हैं।

राजा हसन : बनगाँव, त्रिपुरा में जन्मे अशरफ़ अली बाल्यावस्था में ही गायन, सूफ़ीवाद और बाउल परंपरा के प्रति आकर्षित हुए। आपकी विलक्षण प्रस्तुति "हसन राजा'ज़ सॉन्ग" (सूफ़ी दरविश) के कारण आप राजा हसन के नाम से लोकप्रिय हो गए। तब से अद्यतन आपने भारत और बाङ्लादेश के बहुत–से मंचों पर एवं कार्यक्रमों में गायन किया है। आपके द्वारा गाए बाउल गीतों के आठ अलबम निकले हैं। आपको त्रिपुरा नज़रूल परिषद् पुरस्कार एवं मन्ना डे स्मारक पुरस्कार प्राप्त हैं।

साहित्य अकादेमी

रवींद्र भवन, 35, फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली 110001

वेबसाइट : http://sahitya-akademi.gov.in/sahitya-akademi/index.jsp

Enchanting Expressions of India

Baul Songs
by
Raja Hassan

February 24, 2017

Bauls are a group of mystic minstrels from Bengal who preach oneness of human aspiration and are part of rural Bengali culture for about 500 years. Bauls are inspired mystics with an ecstatic eagerness for a spiritual life, where a person can realize his union with the eternal beloved – God. Baul tradition's philosophy comprises the elements from Tantra, Sufism, Vaishnavism and Buddhism. The essential foundation of Baul practices is based on meditation of the body (Deha Sadhana), and meditation of the mind (Mana Sadhana). It is believed that Bauls played some part in Indian Independence movement by singing about the glory of India and freedom of the country.

Baul Music: Baul Sangeet, as the music of Bauls is called, is a folksong. This form of folk song is focused primarily on preaching about the greatness of the divinehood, basic divinity of human beings and the love for God. Baul Sangeet is a pouring out of one's

Baul Songs *by*
Raja Hassan

emotions and as such the lyrics are not complex even if the subjects of lyrics range from metaphysical to mundane daily life. Ektara (single stringed) is the most famous instruments though Baul singers do use a number of instruments such as *dotara*, *khamak*, *duggi* and *khartal*. In the contemporary scenario, a number of Baul singers have been performing on stage too and in different places.

Raja Hassan: Born as Ashraf Ali in Bongao, Tripura, Raja Hassan was attracted to singing, Sufism and Baul tradition at a very early age. His remarkable rendition of Hason Raja's song (Sufi Dervish) earned him the name Raja Hassan. Since then he has been performing at a number of platforms, events and regions in India and Bangladesh. He has eight albums of Baul songs to his credit. He is the recipient of Tripura Nazrul Parishad Award and Manna De Memorial Award.

SAHITYA AKADEMI

Rabindra Bhavan, 35, Ferozeshah Road, New Delhi-110001

Website: http://sahitya-akademi.gov.in/sahitya-akademi/index.jsp

साहित्योत्सव
Festival of Letters
21 - 26 February 2017

भारत की सम्मोहक अभिव्यक्तियाँ

बाउल गान

राजा हसन द्वारा

24 फ़रवरी 2017

बाउल बंगाल के रहस्यवादी लोककवियों / गायकों का एक समूह है, जो लगभग 500 वर्षों से बंगाल की ग्रामीण संस्कृति का हिस्सा है और मानवीय एकता की शिक्षा देता है। बाउल ने रहस्यवादियों को आनंदपूर्ण कौतूहल के साथ आध्यात्मिक जीवन के लिए प्रेरित किया, जहाँ व्यक्ति शाश्वत प्रेमी ईश्वर से अपने संबंधों का अनुभव कर सकता है। बाउल परंपरा के दर्शन में तंत्र, सूफ़ीवाद, वैष्णव धर्म और बौद्ध धर्म के तत्त्व समाहित हैं। बाउल प्रथा का अनिवार्य आधार देह साधना और मन साधना है। यह विश्वास किया जाता है कि बाउल गायकों ने भारत के गौरव ओर देश की स्वतंत्रता संबंधी गीत गाकर भारतीय स्वातंत्र्य आंदोलन में भी भागीदारी की थी।

बाउल संगीत : बाउल संगीत को लोक संगीत कहा जाता है। लोक संगीत की यह शैली मुख्यतः ईश्वरीय महानता, मानवमात्र की आधारभूत श्रेष्ठता और ईश्वरीय प्रेम के उपदेश पर केंद्रित है। बाउल संगीत वैयक्तिक भावनाओं की